12.02.2026

(5)

Sem-III

N Psychology. UG - Sem-III (MJC)

Unit-2. Cognitive and Language Development.
Topic- Meaning.
Subject- Psychology, UG, Sem-IIIrd (MJC)
Date-08.02.2026
Name- Dr. Shyam Sundar Sharma.

प्रश्न:- संज्ञानात्मक विकास का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर:- संज्ञानात्मक विकास (Cognitive Development) बच्चों की सोचने, समझने, तर्क करने, समस्या समाधान करने और याद रखने की क्षमता में समय के साथ होने वाला क्रमिक विकास है जो जन्म से लेकर वयस्कतावस्था तक चलती रहती है साथ ही साथ आनुवांशिक और वातावरणीय कारकों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया है जिसे जीन पियाजे के सिद्धांतों के द्वारा समझा जा सकता है।

* संज्ञानात्मक विकास का अर्थ:-

(1) मानसिक क्षमताओं का विकास:- इसके अन्तर्गत सोचना, समझना, याद रखना और तर्क करने की क्षमता समाहित है।

(2) वातावरण के साथ सामंजस्य:- बच्चे अपने वातावरण से अंतःक्रिया करके नई-नई बातों को सीखता है। अपनी समझ को विकसित करता है।

(3) ज्ञान की संरचना:- बच्चे अपनी क्षमता विकास के लिए मानसिक ढाँचा (स्कीमा) बनाते हैं।

(4) समायोजन:- इसके अन्तर्गत नई जानकारी के आधार पर पुराने ज्ञान में संशोधन करते हैं।

* संज्ञानात्मक विकास के चरण:- जीन पियाजे के अनुसार विकास के प्रमुख चार चरण हैं जो निम्न प्रकार है-

P.T.O

(1) संवेदी-प्रेरक अवस्था :- यह 0-2 वर्ष की अवस्था होती है। शिशु अपने इंद्रियों और शारीरिक क्रियाओं के माध्यम से सीखने का प्रयास करते हैं।

(2) पूर्व- संचालन अवस्था :-

यह 02-07 वर्ष की अवस्था होती है जिसमें बच्चे प्रतीकात्मक सोच विकसित करते हैं। तर्क अतार्किक होता है।

(3) मूर्त संचालन अवस्था :-

07-11 वर्ष में बच्चे तार्किक चिंतन शुरू करते हैं। इसमें ठोस (मूर्त) वस्तुओं को समझ पाने में सक्षम होते हैं।

(4) औपचारिक संचालन अवस्था :-

12 वर्ष के एवं उससे ऊपर के बच्चे अमूर्त सोच, काल्पनिक तर्क और जटिल समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करते हैं।

* संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित करने वाले कारक :-

परिपक्वता :- जैविक विकास जो मानसिक क्षमता को निर्धारित करता है।

अनुभव :- भौतिक वातावरण के साथ क्रियाओं से प्राप्त अनुभव.

सामाजिक अन्तःक्रिया :-

दूसरों के साथ बातचीत.

संतुलन :-

नई और पुरानी जानकारी के बीच संतुलन बनाते हैं।

निष्कर्ष स्वरूप हम कह सकते हैं कि विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जो व्यक्ति को जटिल समस्याओं के समाधान में सहायक होती है।